

समाचार वाणी

खबर जो करें असर !

नाशिक | Thursday, 22 October 2026

डॉ. सुवर्णा ठाकूर : दृढ़ संकल्प, अध्यात्म और मूल्यपरक शिक्षा की प्रेरणादायी यात्रा

Sanket Morankar

Published on 21 Oct 2026



शिक्षा, अध्यात्म और दृढ़ संकल्प का संगम

“सच्ची शिक्षा केवल पैसा कमाने का साधन नहीं, बल्कि संवेदनशील, सक्षम और संकटों का सामना करने वाला इंसान बनाने का पवित्र मार्ग है।” यह विचार डॉ. सुवर्णा ठाकूर की शैक्षणिक और वैचारिक यात्रा का मूल आधार है।

Foundations Education Society के *Foundations School* के माध्यम से वे विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान देने तक सीमित नहीं रहतीं, बल्कि उनमें जीवन मूल्य, आत्मविश्वास, रचनात्मकता और मानसिक मजबूती विकसित करने पर भी जोर देती हैं। उनके जीवन में शिक्षा, अध्यात्म, दृढ़ संकल्प और सामाजिक प्रतिबद्धता का अनूठा संगम देखने को मिलता है।

विविध शैक्षणिक योग्यताओं से समृद्ध सफर

महाराष्ट्र के लातूर में ‘लातूर पैटर्न’ के शैक्षणिक वातावरण में पली-बढ़ी डॉ. ठाकूर ने गोदावरी कन्या विद्यालय से शिक्षा प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने बी.कॉम., एमबीए, मनोविज्ञान में एम.ए. और बी.एड. जैसी विभिन्न शैक्षणिक योग्यताएँ हासिल कीं। उन्हें सीए इंटरशिप का अनुभव भी प्राप्त हुआ।

हालाँकि, उनकी सीखने की यात्रा केवल औपचारिक शिक्षा तक सीमित नहीं रही। उन्होंने मूल्य शिक्षा और अध्यात्म के क्षेत्र में भी स्नातकोत्तर डिप्लोमा तथा एम.एससी. की पढ़ाई पूरी की। मनोविज्ञान विषय में पीएच.डी. हासिल करना उनके शैक्षणिक सफर की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

उनका शोध महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े एक महत्वपूर्ण विषय पर केंद्रित रहा। 35 वर्ष से अधिक आयु की विवाहित और नौकरीपेशा महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य पर भगवद्गीता के छठे अध्याय में वर्णित ध्यानयोग के प्रभाव का अध्ययन उनके शोध का मुख्य विषय था। आधुनिक जीवन के तनाव और मानसिक संतुलन को समझने के प्रयास में उन्होंने भारतीय दर्शन की ध्याना साधना के महत्व का भी अध्ययन किया।

अध्यात्म से मिला मानसिक संबल

डॉ. सुवर्णा ठाकूर 17 वर्ष की आयु से ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्व विद्यालय से जुड़ी हुई हैं। ध्यान, आध्यात्मिक चिंतन और आत्मिक अनुशासन उनके जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं।

उनके जीवन में एक कठिन दौर तब आया, जब उन्हें ब्लड कैंसर का पता चला। इस चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में उन्होंने अपनी आध्यात्मिक आस्था, ध्यान साधना और मानसिक स्थिरता से संबल प्राप्त किया। उनके अनुभव के अनुसार, कठिन समय में मन का संतुलन बनाए रखना और सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना महत्वपूर्ण है।

उनकी व्यक्तिगत यात्रा दृढ़ संकल्प और आशावाद की प्रेरणा देती है। साथ ही, यह समझना भी जरूरी है कि कैंसर जैसी बीमारी में चिकित्सकीय उपचार और विशेषज्ञों की देखरेख अनिवार्य हैं। आध्यात्मिक अभ्यास और मानसिक संबल उपचार के दौरान भावनात्मक सहारा दे सकते हैं, लेकिन वे चिकित्सा का विकल्प नहीं हैं।

बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा की नई दृष्टि

अपनी बेटी के लिए उपयुक्त स्कूल की तलाश करते समय डॉ. ठाकूर को शिक्षा के प्रति एक अलग दृष्टिकोण विकसित करने का अवसर मिला। वे ऐसा शैक्षणिक वातावरण चाहती थीं, जहाँ बच्चों को केवल पाठ्यक्रम और अंकों तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उनकी प्रतिभा, संवेदनशीलता और आत्मविश्वास को भी विकसित किया जाए। इसी सोच ने Foundations School की स्थापना की दिशा को प्रेरित किया।

स्वयं कराटे खिलाड़ी, एनसीसी की उत्कृष्ट कैडेट और राष्ट्रीय स्तर की वक्ता रह चुकीं डॉ. ठाकूर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को विशेष महत्व देती हैं।

शैक्षणिक अध्ययन के साथ संगीत, चित्रकला, नाटक, योग और मार्शल आर्ट्स जैसी गतिविधियों को प्रोत्साहित करने के पीछे उनका उद्देश्य बच्चों को जीवन की चुनौतियों का साहस और आत्मविश्वास के साथ सामना करने के लिए तैयार करना है।

उनकी दृष्टि में शिक्षा का उद्देश्य केवल परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में सक्षम और जिम्मेदार बनाना भी है।

अभिभावकों और युवाओं के लिए महत्वपूर्ण संदेश

डॉ. ठाकूर का मानना है कि बच्चे के व्यक्तित्व निर्माण की जिम्मेदारी केवल स्कूल की नहीं होती। परिवार और विद्यालय के संयुक्त प्रयासों से ही बच्चे का समुचित विकास संभव है।

बच्चे दिन के कुछ घंटे स्कूल में बिताते हैं, जबकि शेष समय घर और सामाजिक वातावरण में व्यतीत करते हैं। ऐसे में माता-पिता का ध्यान, परिवार के भीतर संवाद और घर का माहौल उनके भावनात्मक विकास पर प्रभाव डालता है।

वे अभिभावकों को सलाह देती हैं कि बच्चों के साथ गुणवत्तापूर्ण समय बिताएँ, उनकी बातों को समझें और उन पर अनावश्यक अपेक्षाओं का बोझ न डालें।

युवाओं के लिए उनका संदेश है कि विदेशी आदर्शों का अंधानुकरण करने के बजाय भारतीय संस्कृति के समृद्ध मूल्यों को समझें और अपनी स्वतंत्र पहचान विकसित करें। अपनी जड़ों से जुड़कर आधुनिक ज्ञान और विचारों को अपनाना व्यक्तित्व विकास की एक महत्वपूर्ण दिशा हो सकती है।

मूल्यों के साथ भविष्य की पीढ़ी का निर्माण

डॉ. सुवर्णा ठाकूर की यात्रा कठिन परिस्थितियों से प्राप्त मानसिक संबल और शिक्षा के माध्यम से समाज को दिशा देने के संकल्प को सामने लाती है।

उनके शैक्षणिक दृष्टिकोण में विद्यार्थियों को केवल सफल बनाना ही नहीं, बल्कि संवेदनशील, आत्मविश्वासी और मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध इंसान के रूप में विकसित करना भी महत्वपूर्ण है। शिक्षा, अध्यात्म और मानवीय मूल्यों को साथ लेकर चलने का उनका प्रयास शिक्षकों, अभिभावकों और युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणादायी है।

संपर्क विवरण

मोबाइल : 9422750782

ई-मेल : suvarna.v.thakkur@gmail.com

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsoever.